भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3370
13 मार्च, 2020 को उत्तर दिए जाने के लिए

महासागर विकास परियोजनाएं

3370. डॉ. रमापति राम त्रिपाठीः

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में आज तक कार्यान्वित की जा रही विभिन्न महासागर विकास परियोजनाओं का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) बारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम तीन वर्षों के दौरान महासागर विकास परियोजनाओं के लिए सरकार द्वारा आवंटित राशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का अगले दो वर्षों के दौरान बजट आवंटन में वृद्धि करने और महासागर विकास परियोजनाओं पर अधिक जोर देने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) देश में कार्यान्वित प्रमुख महासागर विकास परियोजनाओं में शामिल हैं, समुद्री सजीव संसाधन और पारिस्थितिकी केंद्र (सीएमएलआरई) द्वारा समुद्री सजीव संसाधन अध्ययन, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) द्वारा तटीय अनुसंधान, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवाएं (इंकॉइस) और राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) द्वारा महासागर प्रेक्षण और नेटवर्क, इंकॉइस द्वारा महासागर परामर्शिकाएं और सूचना सेवाएं, इंकॉइस द्वारा अभिकलनी अवसरंचना और संचार प्रणाली, इंकॉइस द्वारा लिया महासागर-मॉडलिंग डाटा सम्मिश्रण और प्रक्रिया विशिष्ट प्रेक्षण, इंकॉइस द्वारा तटीय निगरानी, एनआईओटी द्वारा दो तटीय अनुसंधान जलयानों का अधिग्रहण, एनआईओटी द्वारा द्विपमूहों के लिए महासागर विज्ञान और प्रोद्योगिकी , एनआईओटी द्वारा महासागरों से ऊर्जा और स्वच्छ जल और प्रौद्योगिकीयों का विकास, एनआईओटी द्वारा मानवयुक्त, मानवरहित अंतर्जल जलयानों, समुद्री सेंसर, महासागर इलैक्ट्रॉनिक्स और ध्वनिकी का विकास, एनआईओटी द्वारा स्थिर जल सुविधाओं का विकास, राष्ट्रीय धुव्रीय और समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) द्वारा प्रायद्वीपीय शैल्फ का विस्तार, एनसीपीओआर द्वारा अनन्य आर्थिक क्षेत्र का भूवैज्ञानिक अध्ययन, एनआईओटी और एनसीपीओआर द्वारा अनुसंधान जलयानों का प्रचालन और अनुरक्षण और एनआईओटी द्वारा समुद्री फ्रंट सुविधा की स्थापना, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (एनआईओ) द्वारा पोलीमेटेलिक नोड्यूल्स, (पीएमएन) के लिए सर्वेक्षण और अन्वेषण,

एनआईओ द्वारा पीएमएन के लिए पर्यावरण प्रभाव आंकलन अध्ययन, खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी (आईएमएमटी) द्वारा पीएमएन के लिए एक्ट्रेक्टिव मेटेलर्जी में प्रौद्योगिकी विकास, एनआईओटी द्वारा खनन में प्रौद्योगिकी विकास, एनआईओटी, एनआईओ और राष्ट्रीय भू भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) द्वारा गैस हाईड्रेट्स अध्ययन, एनसीपीओआर द्वारा पोलीमेटेलिक हाइड्रोथर्मल सल्फाइड एंड पोलीमेटेलिक कोबाल्ट रिच क्रस्ट का अन्वेषण ।

(ख) बारहवीं पंचवर्षीय योजना अर्थात 2014-15, 2015-16 और 2016-17 के अंतिम तीन वर्षों के दौरान पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा महासागर विकास परियोजनाओं के लिए आवंटित निधियां क्रमश: 579.26 करोड़ रुपये, 412.46 करोड़ रुपये और 396.78 करोड़ रुपये थीं।

(ग) जी, हां।

(घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने 6687.50 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के साथ 5 वर्षों की अवधि के लिए गहन समुद्री मिशन संबंधी एक नया प्रस्ताव तैयार किया है जिसमें गहरे समुद्री खनन के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास, अंतर्जल जलयान और अंतर्जल रोबोटिक्स, समुद्री जलवायु परिवर्तन परामर्शी सेवाओं का विकास, गहरी समुद्री जैव विविधता के अन्वेषण और संरक्षण के लिए नवाचार, गहरा समुद्री सर्वेक्षण और अन्वेषण, समुद्र से ऊर्जा और स्वच्छ जल और समुद्री जैव विविधता के लिए उन्नत समुद्री स्टेशन आदि शामिल हैं।

*****